Chhatrapati Shahu Ji Maharaj
University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 11211851

Roll No. 23262000054
Total Mark 54/75.00

Exam BA_V_ODD_EXAM_NOV_2025
Subject A320503T - Applied Theory of Ragas and Taals

Question wise Mark Summary

Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark
1A	3/5						
1B	4/5						
1C	3/5						
1D	4/5						
1E	4/5						
1F	3/5						
1G	2/5						
1H	4/5						
1I	3/5						
2	0/15						
3	12/15						
4	0/15						
5	0/15						
6	0/15						
7	0/15						
8	0/15						
9	12/15						

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur, Uttar Pradesh

Date of Exam: 19/12/25 Shift: III Room No.: 27
Paper Code: A320503T Subject: Music Vocal Year: V
Name of Candidate: SHIVANGI DIXIT
Roll No.: 2326200054

COE Facsimile | Signature of Invigilator | Signature of Candidate

PART-II

MARKS OBTAINED

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										

Total Marks in Figures — Max. Marks
Total Marks in Words

A320503T
Paper Code

Signature of Evaluator

Course: B.A. Fine Arts
Session: 2025-26 Year/Semester: III / V Sem
Subject: Music Vocal

Paper Code: A320503T
Exam Date: 19 12 2025
Name of Candidate: SHIVANGI DIXIT
Father's Name: RAM KUMAR DIXIT

महाविद्यालय का कोड College Code: KN015
परीक्षा केन्द्र का कोड Exam Centre Code: KN015

परीक्षा का प्रकार Type of Exam
संस्थागत Regular ● भूतपूर्व परीक्षार्थी Ex. Student ○
व्यक्तिगत Private ○ बैक पेपर परीक्षा Back paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO.
11211851

A320503T
Paper Code

नामांकन संख्या Enrollment Number: CSJMA 230001163 62

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number: 2326200054

पेपर कोड Paper Code: A320503T

Signature of Candidate

Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट : 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पन्ने के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
2. बॉक्स में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायीं तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जायें।

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ Boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below blacken the circles completely.

Correct method	Incorrect method
① ● ③ ④	✓ ✗ ◉ ●

4. Make no Stray marks on this sheet.
5. **DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.**

IN ORDER TO AVOID UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/ electronic watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

अनुचित साधन से बचने हेतु:

1. उत्तर पुस्तिका के निर्देशित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कही और न लिखे तथा कोई भी चिन्ह न बनावें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लाये, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाईल, डिजिटल डायरी, कॉपी, पुस्तक यह सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबधित प्रश्नपत्र में ही मेमोरी लैस साइंटफिक कैल्कुलेटर ले जाने की अनुमन्यता होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रुपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र कोड सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका मे (1–24) से कम है या फटे हुए है, तो परीक्षा शुरू होने के पूर्व दूसरी पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा मे कोई त्रुटि है तो उसके परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट के अन्दर निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पैंसिल का प्रयोग न करें।
10. B-कॉपी या अतिरिक्त ग्राफ नहीं दिया जायेगा।

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question P[a]... Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-32) or any other kind of dam... in your answer script, if found than change the answer s... immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy Subject Code, Subject Name and Question of the Que... Paper during first THIRTY MINUTES of the commenceme... the exam, so that it can be corrected in TIME. After tha... corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over pa... should fill in status as Carry Over. Those appearing as... Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provid...

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & number... in ☐ Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

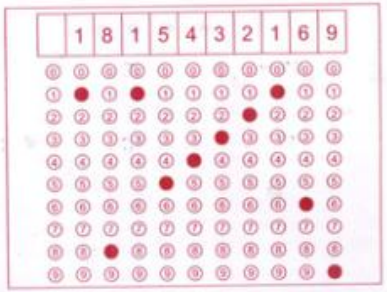

Note - If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three colu...

Paper Code

01

खण्ड – क

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर सं०– 1 (a)

राग – खमाज

थाट	–	खमाज
वादी	–	गंधार (ग)
सम्वादी	–	निषाद (नि)
जाति	–	षाडव – सम्पूर्ण
गायन समय	–	रात्रि का प्रथम प्रहर
स्वर	–	नि कोमल, शेष शुद्ध
वर्जित स्वर	–	आरोह में ऋषभ (रे)
समप्रकृति राग	–	तिलंग
प्रकृति	–	चंचल
चलन	–	तीनों सप्तकों में, मध्य व तार में अधिक

आरोह – नि़ सा ग म प ध नि सां

अवरोह – सां नि ध प म ग, म ग रे सा

पकड़ – नि़ सा ग म प म ग म ग रे सा

यह अपने थाट का आश्रय राग है। इसमें निषाद (नि) कोमल तथा शेष स्वर शुद्ध प्रयोग होते हैं।

Paper Code

02

Do Not Write anything in this Portion

उत्तर सं० – 1 (b)

राग – चन्द्रकौंस

थाट	–	बौरवी
वादी	–	मध्यम (म)
समवादी	–	षड्ज (सा)
जाति	–	औडव – औडव
गायन समय	–	रात्रि का तृतीय प्रहर
स्वर	–	ग, ध कोमल शेष शुद्ध
वर्जित स्वर	–	ऋषभ (रे) स्वं पंचम (प)
समप्रकृति राग	–	मालकौंश
चलन	–	मध्य व तार में अधिक
प्रकृति	–	चंचल

आरोह – नि़ सा ग़ म ध़ नि सां

अवरोह – नि ध़ म ग़ म ग़ सा

पकड़ – नि़ सा ग़ म ध़ म ग़ म ग़ सा

यह बौरवी थाट का राग है। इसमें ख्याल, ध्रुपद, धमार, गत आदि गायी बजायी जाती है।

इस राग में निषाद (नि) कोमल करने से राग मालकौंस हो जाता है।

Paper Code

03

आलाप – नि़ सा ग़ सा नि़ सा ग़ म ग़ म – ध़, म ध़ नि सां –, नि – ध़ म ग़ म ग़ सा नि़ सा)

उत्तर सं० – 1 (c)

लयकारी – स्वर समूहों को भिन्न - भिन्न लयों में गायन - वादन करने की कला लयकारी कहलाती है।
लयकारी मुख्यतः दो प्रकार की होती है –

(1) सरल लयकारी (2) विलम्ब लयकारी

(1) सरल लयकारी – सरल लयकारी में स्वरों या बोलों को "दुगुन, तिगुन, चौगुन" आदि में गाया जाता है।

(2) विलम्ब लयकारी – विलम्ब लयकारी में स्वरों या बोलों को विभिन्न कठिन लयकारियों "आड़, कुआड़, बिआड़ आदि" में गाया - बजाया जाता है तो, इसे विलम्ब लयकारी कहते हैं।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

04

उत्तर सं॰ – 1 (ब)

ताल – पंचमसवारी

मात्रा – 15
विभाग – 04
ताली – 1, 4, 12
खाली – 08
छन्द – 3 | 4 | 4 | 4

ठेका

मात्रा –	1	2	3		4	5	6	7
बोल –	धी	ना	धीधी	|	कत	धीधी	नाधी	धीना
चिन्ह –	×				2			

मात्रा –	8	9	10	11		12	13	14	15
बोल –	तीडकड़	तीना	तिरकिट	धुना	|	कत्ता	धीधी	नाधी	धीना
चिन्ह –	0					3			

दुगुन

मात्रा –	1	2	3		4	5
बोल –	धीना	धीधी कत	धीधी नाधी	|	धीना तीडकड़	तीना तिरकि
चिन्ह –	×				2	

	6	7	8	9
मात्रा –	6	7	8	9
बोल –	तुनाकत्ता	धीधीनाधी	धीनाधी	नाधीधी
चिन्ह –			0	

	10	11	12	13
मात्रा –	10	11	12	13
बोल –	कत धीधी	नाधीधीना	तीऽकऽतीना	तिरकिटतुना
चिन्ह –			3	

	14	15
मात्रा –	14	15
बोल –	कत्ताधीधी	नाधीधीना
चिन्ह –		

उत्तर सं॰ – 1(e)

राग भीमपलासी – यह 'काफी थाट' का राग है। इसका 'वादी स्वर मध्यम (म)' तथा 'सम्वादी स्वर षड्ज (सा)' है। इसके आरोह में रे, धु वर्जित होने से इसकी जाति 'औडव – सम्पूर्ण' है। 'समप्रकृति राग बागेश्री' है। काफी थाट का होने के कारण इसमें गंधार तथा निषाद कोमल प्रयोग होते हैं। इसका स्वर समूह इस प्रकार है–

स्वर समूह – ग़ म ग़, प – प –, ग़ – म प ग़ म ग़ रे सा –, रे ऩि सा ग़ म, प – प – ऩि – ऩि सां –, ऩि सां निध प – म ग़ रे सा।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

06

उत्तर सं० — 1 (f)

ध्रुपद — यह प्राचीन गायन शैली है। यह शास्त्रीय तथा गम्भीर प्रकृति की शैली है।
ध्रुपद अधिकतर 'ब्रजभाषा' में होते हैं। इसकी गायकी में गले तथा फेफड़ों पर जोर पड़ता है इसलिये इसे 'पुरुष प्रधान' गायकी कहते हैं।
प्राचीन समय में ध्रुपद गाने वालों को 'कलावन्त' कहते थे। 'प्राचीन ध्रुपद' में चार भाग होते थे — 'स्थायी, अंतरा, संचारी तथा आभोग।'
'आधुनिक समय' में ध्रुपद के दो भाग हैं — 'स्थायी और अंतरा'।
ध्रुपद की चार वाणियाँ थी — 'खंडारी, गौबरहारी डागुर और नौहारी' वास्तव में ये बोलियाँ थी जिन का नाम — 'शुद्धा, भिन्ना, गौड़ी, बेसरा, साधारणी' इस प्रकार था।
ध्रुपद चारताल, एकताल, तीव्राताल आदि तालों में गाया जाता है।
यह पखावज पर गाया जाता है परन्तु वर्तमान में पखावज का चलन कम होने के कारण इसे तबले पर भी गाया जाने लगा है।

Paper Code

07

उत्तर सं० – 1 (g)

राग चन्द्रकौंस – इस राग में ऋषभ (रे) तथा म पंचम (प) स्वर वर्जित है।
इस कारण इसकी जाति औडव - औडव है।

उत्तर सं० – 1 (h)

सप्तक – सा से नी तक के स्वर समूह को सप्तक कहते हैं। सप्तक के अन्तर्गत 7 शुद्ध तथा 5 विकृत कुल 12 स्वर आते हैं।
सप्तक तीन प्रकार के होते हैं:–

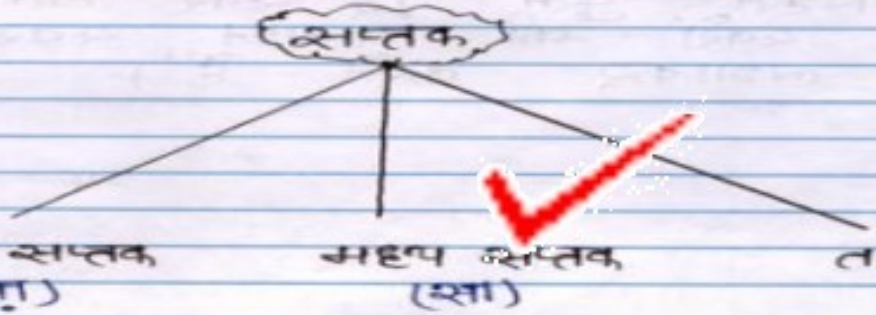

Paper Code

08

Do Not Write anything in this Portion

मन्द्र सप्तक — यह सप्तक मध्य सप्तक से पहले आता है, इस सप्तक के स्वरों की आन्दोलन संख्या मध्य सप्तक के स्वरों से आधी होती है। इसमें 7 शुद्ध 5 विकृत कुल 12 स्वर होते हैं।
मन्द्र सप्तक के स्वर की पहचान स्वर के नीचे बिंदु लगाकर करते हैं।

मध्य सप्तक — यह मन्द्र और तार सप्तक के मध्य में आता है। इसके स्वरों की आन्दोलन संख्या मन्द्र सप्तक से दोगुनी होती है। इस सप्तक के स्वरों में कोई बिन्दु नहीं लगता है। कुल 12 स्वर।

तार सप्तक — यह सप्तक मध्य सप्तक के बाद आता है। इसकी आन्दोलन संख्या मध्य सप्तक के स्वरों की आन्दोलन संख्या से दोगुनी होती है। इसमें भी 7 शुद्ध तथा 5 विकृत कुल 12 स्वर होते हैं।
इसके स्वरों की पहचान स्वर के ऊपर बिंदु लगाकर करते हैं।

Paper Code

09

उत्तर सं० – 1 (c)

परमेल प्रवेशक – परमेल का अर्थ है – दूसरा मेल तथा प्रवेशक का अर्थ है – प्रवेश करने वाला।
अर्थात जब कोई राग एक थाट से दूसरे थाट में प्रवेश करता है तो उसे परमेल प्रवेशक राग कहते हैं।
जैसे राग जब शुद्ध रे, ध वाले रागों का गायन समय समाप्त होने को होता है तथा कोमल ग, नि वाले रागों का गायन समय आने वाला होता है, तो उस समय राग जयजयवन्ती परमेल प्रवेशक राग कहलायेगा क्योंकि इसमें शुद्ध रे, ध तथा कोमल ग, नी दोनों का प्रयोग है।
इसी प्रकार – मारवा भी परमेल प्रवेशक का राग है, तथा मुलतानी भी परमेल प्रवेशक राग है।

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

खण्ड – ख

उत्तर सं० – 3

ताल – आड़ा चारताल

मात्रा – 14
विभाग – 07
ताली – 1, 3, 7, 11
खाली – 5, 9, 13
छन्द – 2|2|2|2|2|2|2
(समपदीय)

ठेका

मात्रा –	1		3	4	5	6
बोल –	धिं	तिरकिट	धी	ना	तू	ना
चिन्ह –	x		2		0	

मात्रा –	7	8	9	10	11	12	13	14
बोल –	क	त्ता	तिरकिट	धी	ना	धी	धी	ना
चिन्ह –	3		0		4		0	

दुगुन

मात्रा –	1	2	3	4		
बोल –	धिंतिरकिट	धीना	तूना	कत्ता		
चिन्ह –	x		2			
मात्रा –	5	6	7	8	9	10
बोल –	तिरकिट धी	नाधी	धीना	धिंतिरकिट	धीना	तूना
चिन्ह –	0		3		0	
मात्रा –	11	12	13	14		
बोल –	कत्ता	तिरकिटधी	नाधी	धीना		
चिन्ह –	4		0			

तिगुन

मात्रा –	1	2	3	4
बोल –	धिंतिरकिटधी	नातूना	कत्तातिरकिट	धीनाधी
चिन्ह –	x		2	
मात्रा –	5	6	7	8
बोल –	धीनाधिं	तिरकिटधीना	तूनाक	त्तातिरकिटधी
चिन्ह –	0		3	
मात्रा –	9	10	11	12
बोल –	नाधीधी	नाधिंतिरकिट	धीनातू	नाकत्ता
चिन्ह –	0		4	

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

मात्रा – 13 14
बोल – तिरकिट धीना धीधीना
चिन्ह – 0

चौगुन

मात्रा – 1 2 3
बोल – धिंतिरकिटधीना तूनाकत्ता | तिरकिटधीनाधी
चिन्ह – x 2

मात्रा – 4 5 6
बोल – धीनाधिंतिरकिट | धीनातूना कत्तातिरकिटधी |
चिन्ह – 0

मात्रा – 7 8 9
बोल – नाधीधीना धिंतिरकिटधीना | तूनाकत्ता
चिन्ह – 3 0

मात्रा – 10 11 12
बोल – तिरकिटधीनाधी | धीनाधिंतिरकिट धीनातूना
चिन्ह – 4

मात्रा – 13 14
बोल – कत्तातिरकिटधी नाधीधीना
चिन्ह – 0

Paper Code

13

खण्ड - ग

उत्तर सं० - 9

ताल - पंचमसवारी

मात्रा - 15
विभाग - 04
ताली - 1, 5, 12
खाली - 08
छन्द - 3|4|4|4

ठेका

मात्रा -	1	2	3	4	5	6	7
बोल -	धी	ना	धीधी	कत	धीधी	नाधी	धीना
चिन्ह -	x			2			

मात्रा -	8	9	10	11	12	13	14	15
बोल -	तीहकड़	तीना	तिरकिट	तूना	कत्ता	धीधी	नाधी	धीना
चिन्ह -	0				3			

विशेषताएं - पंचमसवारी 15 मात्रा की ताल है। इसका प्रचलन [illegible]अधिक नहीं है, इसका प्रयोग शास्त्रीय नृत्य [illegible]क के साथ - साथ राग गायन में भी किया जाता है।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

14

यह एक विषमपदीप्त ताल है क्योंकि इसके प्रथम विभाग तथा अन्य विभाग अर्थात दूसरे, तीसरे, चौथे विभाग में 4 - 4 मात्राएँ हैं।

Paper Code

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

X

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

19

X

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

X

Paper Code

X

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

23

X

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

X